स्वतंत्रता दिवस समारोह

15 अगस्त, 2018 को 72वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी), आणंद में श्री दिलीप रथ, अध्यक्ष, एनडीडीबी ने प्रात: 9.00 बजे एनडीडीबी परिसर, आणंद में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जिसमें श्री संग्राम चौधरी, कार्यपालक निदेशक तथा एनडीडीबी कार्मिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों ने हर्षोल्लास के साथ भाग लिया। इस दौरान सुरक्षा कर्मियों ने भव्य परेड का आयोजन किया और राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी।

इस सुअवसर पर श्री रथ, अध्यक्ष ने सभी उपस्थित एनडीडीबी कार्मिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा – इस अवसर पर हम देश के उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों और महानुभावों का स्मरण करते हैं, जिनके त्याग एवं बलिदान से हमें आजादी मिली और आज के दिन हम हमारे वीर सैनिकों को सलाम करते हैं जो आज भी देश की अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए त्याग और बलिदान दे रहे हैं। ठीक इसी प्रकार, हम आज के दिन उन सभी महानुभावों जैसे कि सरदार बल्लभ भाई पटेल, श्री मोरारजी देसाई, श्री लाल बहादुर शास्त्री, श्री त्रिभुवन दास पटेल और डॉ. वर्गीज कुरियन को भी याद करते हैं जिनके विज़न और मार्गदर्शन से डेरी सहकारिता के माध्यम से लाखों किसानों को शोषण से मुक्ति मिली और वे आर्थिक और सामाजिक रूप से स्वतंत्र एवं आत्मनिर्भर बन सके।

अध्यक्ष, एनडीडीबी ने यह जोर देते हुए कहा – हमें इस बात पर गर्व है कि लगभग 73 साल पहले इस क्षेत्र की पहली डेरी सहकारिता के गठन से लेकर आज के दिन तक पश्चिम बंगाल, सुंदरबन के सुदूर क्षेत्र में चौरंगी और हजारों डेरी सहकारिताओं का गठन डेरी बोर्ड के पूर्व कर्मियों और आप सब के कठिन परिश्रम एवं प्रतिबद्धता से ही संभव हो सका है।

आगे उन्होंने यह कहा – मुझे इस बात की भी खुशी है कि आप सभी के सामूहिक प्रयास और अभिनव सोच तथा सही प्रौद्योगिकी के प्रयोग के परिणामस्वरूप डेरी बोर्ड देश भर में, विशेष रूप से पिछड़े हुए क्षेत्रों में, डेरी सहकारिताओं को मजबूत बना रहा है और किसानों की आमदनी में वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्यरत है। हमारा यह उद्देश्य होना चाहिए कि मुजकुवा जैसा गांव स्तर का मॉडल डीसीएस देश भर में फैलाया जाए जिससे किसानों की खुशहाली और ग्रामीण समृद्धि प्राप्त की जा सके और सही मायने में हम गांधी जी के ग्राम स्वराज के स्वप्न को साकार कर सकें। अंत में, बोहो नर्सरी के बच्चों को चॉकलेट वितरित किए गए और जलपान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

▶ राजस्थान के ग्रामीण लोग, विशेषकर जो शुष्क तथा अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में रहते हैं, उनके लिए पशुपालन एक मुख्य आर्थिक गतिविधि है। राज्य में अक्सर सूखा पड़ता है जिससे अक्सर फसल को नुकसान होता है क्योंकि यहां कृषि बारिश पर आधारित है। ऐसी जलवायु परिस्थिति में डेरी क्षेत्र / डेरी सहकारिताएं बड़ी संख्या में किसानों को वर्ष भर स्थाई आय प्रदान करती रही हैं।

राजस्थान ने एनडीडीबी द्वारा कार्यान्वित की जा रही योजनाओं में हमेशा सक्रियता से भाग लिया है। पूर्व में, ऑपरेशन फ्लड कार्यक्रम के अंतर्गत ₹60 करोड़ तथा भावी योजना के अंतर्गत ₹55 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। एनडीपी-। के अंतर्गत कुल ₹223 करोड़ की अनुदान सहायता से 16 अंतिम कार्यान्वयन एजेंसियों की 41 उप परियोजनाओं को लागू किया जा रहा है। एनडीपी-। के अंतर्गत राजस्थान राज्य में लागू की जा रही मुख्य गतिविधियों में राठी, थारपारकर तथा साहीवाल नस्ल के लिए नस्ल विकास कार्यक्रम, बस्सी वीर्य केंद्र को सुदृढ़ करना, चारा विकास कार्यक्रम, राशन संतुलन कार्यक्रम तथा गांव आधारित दूध प्राप्ति प्रणाली जैसी मुख्य गतिविधियाँ शामिल हैं।

वित्तीय सहायता के अलावा, एनडीडीबी डेरी सहकारिताओं को विभिन्न तकनीकी तथा प्रबंधन पहलुओं पर भी सहायता प्रदान करती है। 1992 में राजस्थान सरकार के अनुरोध पर एनडीडीबी ने दूध संकलन, प्रसंस्करण तथा दूध उत्पादों के निर्माण में सुधार करने के लिए आरसीडीएफ तथा इससे संबद्ध दूध संघों का प्रबंधन अपने हाथ में लिया था। 1992 से 2000 की अवधि के दौरान किए गए निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप आरसीडीएफ तथा इससे संबद्ध दूध संघों का कायापलट हुआ।